(३ तास) **(एकूण गुण:८०)**

Please check whether you have the right question paper.

सूचना: १) दूरस्थ शिक्षण संस्थेच्या (IDE) विद्यार्थ्यांसाठी वेळ ३ तास व एकूण गुण १०० आहेत.

प्र.१ अ) भाषांतर म्हणजे काय ते सांगून आज भाषांतर कोणकोणत्या क्षेत्रात उपयुक्त ठरते, ते सविस्तर स्पष्ट करा. १५

किंवा

आ) भाषांतर, रुपांतर, अनुवाद व अर्वाचीनीकरण यांतील साम्यभेदांची चर्चा करा.

प्र.२ अ) ललित साहित्यकृतींच्या भाषांतर प्रक्रियेत सांस्कृतिक संदर्भांचे भान कितपत आवश्यक ठरते, ते सोदाहरण स्पष्ट करा. १५

किंवा

आ) ललित साहित्याचे भाषांतर करताना शैली ह घटक आव्हान ठरतो, कसे ते सविस्तर लिहा.

प्र.३ पुढीलपैकी इंग्रजीतील एक हिदीतील एक मध्ययुगीन मराठी गद्यांपैकी एक अशा एकूण तीन उताऱ्यांचे मराठीत भाषांतर करा. ३०

अ) As we all know that our environment is very necessary for our healthy existence on the earth. A healthy environment depends on the good habits of human beings and the circumstances we create. Human, animal, plants, earth and environment are indirectly connected to each other and necessary for the existence of healthy life here. However, by any means if our environment gets affected negatively, creates lots of problems and many challenges in living a simple and healthy life. Our environment acts as a natural world for us and provides a protection to us from the natural calamities. However, it becomes helpless in protecting us if we disturbs its natural cycle and force it to harm us.

ब) Teachers are great sources of knowledge, prosperity and enlightenment to which anyone can be benefited for whole life. They serve as the real light in everyone's life as they help students to make their ways in the life. They are the God gifted people in everyone's life who lead us towards success without any selfishness. Really, we can call them as builders of the dazzling future of our nation through education. Teacher plays very essential role in the field of education who teaches students very nicely to

be a person of good moral and behavior. They make students academically superb and always encourage to do better in the life.

क) नियमित आधार पर किसी भी चीज का अभ्यास करना, एक व्यक्ति की बौध्दिकता और सौंदर्य क्षमताओं को इंगित करता है | अभ्यास एक व्यक्ति को पूर्ण करता है, क्योंकि यह पूर्णता लाता है, जो एक व्यक्ति को विशेष विषय या क्षेत्र ने उत्कृष्ठता प्राप्त करने की ओर ले जाता है| कार्यों को उचित योजना और अभ्यास के अनुसार करना एक व्यक्ति का पुर्न प्रदर्शन की और नेतृत्व करता है | अभ्यास किसी भी कार्य को करने में गुणवत्ता लाने के साथ ही एक व्यक्ति के अन्य गुणों के लिए भी तैयार करता है | अभ्यास कमियों को नजरंदाज करके कार्य को पूर्णता के साथ पूरा करने में मदद करता है | अभ्यास बहुत ही महत्वपूर्ण वास्तु है, जिसे हमें अपने जीवन में अवश्य अपनाना चाहिए | यदि इसे अभिभावकों और शिक्षकों की मदद से बचपन में ही विकसित किया जाए , तो यह और भी अच्छा होता है |

ड) शिक्षा सभी के जीवन में,व्यक्तित्व का निर्माण, ज्ञान और कौशल में सुधार करके, एक सभ्य बनाने में महान भूमिका निभाती है| यह एक व्यक्ति को भले और बुरे के बारे में सोचने की क्षमता प्रदान करती है | हमारे देश में शिक्षा को तिन श्रेणियों में विभाजित किया जाता है ; प्रारम्भिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, और उच्च माध्यमिक शिक्षा | यह चीजों और परिस्थितियों का विश्लेषण करने के लिए हमारे कौशल, चरित्र और पुरे व्यक्तित्व को विकसित करती है | शिक्षा एक व्यक्ति के जीवन में लक्ष्य को निश्चित करने के द्वारा उसके वर्तमान और भविष्य को पोषित कराती है | शिक्षा के महत्त्व और इसकी गुणवत्ता में दिन प्रति दिन सुधार व वृद्धि हो रही है |

इ) एकी गावी म्हातारी एकीचा पुत गोरुवें राखे : तेणेंसी गोसवियासि पाडु प्रज्ञान अति: तीए गावीं गोसवियासि वृक्ष खालि आसन : ऐसा तेयासि जरू आला : तयाचीया माता म्हणीतलें : 'जी जी : तेयासि जरू आला : आतां गोरुवें आणिकासि निरोवीति : आम्ही मेलों' : गोसावी तेयाचीया घर बीजें केलें : तेयाचें पांगरुनि तेया सरिसा पहुड स्वीकरिला : तेयासि समाधान जालें : तो गोरुवासरिसा पाठवीला : तेयाची माए गोसावियासि पथ्य करी : केतुलेया एक दीसा : गोसावी समाधान स्विकरिलें : मग त्यें गोसावीया नीगों नेदीती : सर्वज्ञें म्हणीतलें : 'हें तयासि भांडौनि निगालें' : हे गोष्टि भुतानंदाप्रति सांघितली ||

ई) गोसावी गावां एक बीजें करीत असति : तेथीचेनि लोकें वारिलें : 'देव व्हो : या वाटा न वचा : न वचा : एथ अरणम्हैसा असे : तो माणुसें मारी' : आइकोनी बीजें केलें : ते मार्गी चालतां वाणी पडली अणि म्हैसा आला : गोसावी अवलोकीला : आणि तेयाचा रोखु निवर्तला: बीजें केलें : तीये दिउनि तो मार्गु वसता जाला ||

प्र.४ पुढीलपैकी कोणत्याही एक विषयावर निबंध लिहा. (दूरस्थ शिक्षण संस्थेच्या विद्यार्थ्यांनी पुढीलपैकी कोणतेही दोन निबंध लिहावेत.(गुण ४०) २०

अ) मराठी भाषा : काल आणि व्याज

ब) चळवळ अणि स्त्रीवादी साहित्य

क) साहित्यसंमेलानाची गरज संपली आहे काय?

ड) कलावंताचे अभिव्यक्तीस्वतांत्र्य

इ) जागतिकीकरण आणि मराठी साहित्य